an>

Title: The Speaker made an observation pertaining to Shri Jyotiraditya M. Scindia, who made a personal explanation under Rule 357 regarding certain remarks made about Shri Jyotiraditya M. Scindia by Dr. Virendra Kumar and Shri Manohar Utawal On 24th July 2017. The Speaker also made a ruling regarding matter pertaining to Shri Anurag Singh Thakur.

माननीय अध्यक्ष : माननीय साथीगण, प्लीज। आज मैं स्पीकर के रूप में जीरो आवर में दो मिनट के लिए कुछ कहना चाहूँगी। आई.एम.सॉरी। मुझे भी, एज़ ए स्पीकर और एज़ ए पर्सन, कई दफा यह लगता है कि मैं सदन के किसी भी सदस्य के साथ अन्याय न करूँ। यह मेरी भी भावना है। इसलिए मैं आपके सामने कुछ तथ्य रखना चाहती हूँ। परसों ज़ीरो आवर में श्री वीरेन्द्र कुमार जी ने जो बात उठाई थी, उसमें माननीय ज्योतिरादित्य जी का नाम आया था, जिससे वे आहत हुए थे। मैं माननीय श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी का सम्मान करती हूँ। केवल उनको ही नहीं, बल्कि उनकी दादी जी का भी हम सभी लोग बहुत सम्मान करते थे। उनके पिता जी भी इस सदन के सम्मानित सदस्य रहे हैं। उनका भी हम सम्मान करते हैं। जब ज्योतिरादित्य सिंधिया जी आहत होकर मेरे पास आए थे, तो उन्होंने मुझसे कहा था कि उनका नाम बार-बार इस तरीके से लिया गया है। उन्होंने कहा था कि वे इस बारे में स्टेटमेंट देकर कुछ बोलना चाहते हैं।

मुझे भी यह बात लगी कि यदि वे आहत हुए हैं जिस कारण मैंने उनको बोलने का मौका भी दिया। कल उन्होंने यहाँ पर अपनी बात भी रखी थी। उनके द्वारा अपनी बात रखने के बाद जो भी हंगामा हुआ, उस समय वीरेन्द्र कुमार जी ने भी अपना कुछ एक्सप्लिनेशन देना चाहा था। मगर उस समय सदन में जो शोर-गुल हो रहा था, उसके कारण मैंने वीरेन्द्र जी को समय नहीं दिया था। लेकिन बाद में मैंने पूरा रिकॉर्ड देखा था। इसमें थोड़ी सी गलती हमारे ऑफिस की भी है, यह मुझे मानना चाहिए। मैंने सारे 'अनकरेक्टिड स्टेटमेन्ट' भी देखे। मैंने बात करते समय यह कहा था कि रिकॉर्ड में किसी का नाम न हो। मैं हमेशा बोलती हूँ कि नाम डिलीट किया करो। 'अनकरेक्टिड स्टेटमेन्ट' में मैंने देखा कि श्री वीरेन्द्र कुमार ने उनके यहाँ शिवपुरी में घटित घटना के संदर्भ में कहा था कि 'संसद सदस्य श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के सांसद प्रतिनिधि और नाम लिया था'। मैंने जब अपने ऑफिसर्स से नाम डिलीट करने को कहा, तो उन्होंने गलती से पूरा का पूरा वाक्य डिलीट कर दिया। इसके कारण ज्योतिरादित्य जी को यह लगा कि जैसे संसद सदस्य ने कुछ कहा है। उन्होंने संसद सदस्य पर कोई आरोप नहीं लगाया था, बल्कि 'संसद सदस्य श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के सांसद प्रतिनिधि' कर के पूरा वाक्य कहा था। मैंने वह स्टेटमेन्ट देखा।

दो-तीन जगह ऐसा हुआ है। दूसरी बात, उन्होंने दो-तीन बार किसी का नाम नहीं लिया था। उन्होंने कहा था 'कांग्रेस नेताओं ने' या 'कांग्रेस ने', मगर गलती से वह भी इन लोगों ने रिकॉर्ड से हटा दिया, जिसके कारण ज्योतिरादित्य जी इस बारे में कुछ संदिग्धता पैदा हुई। मैं यह कहना चाहूँगी कि माननीय वीरेन्द्र जी ने डायरेक्टली उन पर किसी भी प्रकार का आरोप नहीं लगाया था। मुझे वीरेन्द्र जी के साथ भी न्याय करना चाहिए। मैं उनको जानती हूँ, वे सालों-साल से बड़ी गंभीरता से अपनी बातें उठाते रहे हैं और काम करते रहे हैं। कल मैंने उनको मौका नहीं दिया, मगर आज मैंने सोचा कि मुझे न्याय करना चाहिए ताकि कहीं उनके मन में भी ऐसी कोई संदिग्धता न रह जाए। थोड़ी सी गलती मेरे ऑफिस के लोगों से हुई कि उन्होंने शोर-गुल के चलते उस बात को डिलीट कर दिया।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़। नहीं अभी नहीं बोलिए। आप बैठिए। मैंने अपनी बात

â€¦(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्षा महोदय, उसमें वो संदर्भ मेरे बारे में ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप उसे देखो। मैं उसे आपको दे दूँगी।

माननीय अध्यक्ष :मैं जो दूसरी बात कहना चाहूँगी, उसके बारे में श्री भगवंत मान ने मुझे पत्र भी लिखा है। सदन में भी वह बात उठी है। उस समय भी सदन में बहुत शोर-गुल हुआ था। मुझे नहीं मालूम उस समय क्या हो रहा था। यदि कोई सदस्य थोड़ी सी भी गलती करता है और जब वह बात मेरे ध्यान में आती है, तो मैं तुरंत उस गलती के बारे में उसे बोलती भी हूँ। यह बताया गया है कि शायद ऐसा कुछ हुआ है, जो हमारे ध्यान में नहीं आया है। अगर श्री अनुराग ठाकुर के, इन लोगों ने बात उठायी है, भगवंत मान जी ने भी पत्र दिया है। इस सदन में मोबाइल का उपयोग करते हुए वीडियो निकालना बिल्कुल अनुशासनहीनता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर श्री अनुराग ठाकुर जी ने ऐसा कुछ किया है तो वह उचित नहीं है। मैं चाहूंगी कि अगर आपने ऐसा कुछ किया है तो आपको सदन से माफी मांगनी चाहिए। आप अपना एक्सप्लेनेशन दे सकते हैं। मगर जो भी कुछ इस तरह से होता है। मैं सभी से कहूंगी कि सब नियम देखें।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप बात सुनिए। I have not seen that. That is why I am saying.

...(*Interruptions*)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : अध्यक्ष महोदया, धन्यवाद। जो हाउस में उस दिन हुआ।...(व्यवधान) मैंने पिछले 30 वर्ष पहले के विषय को लेकर जीरो आवर में नोटिस दिया था।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं देखती हूं। I have not seen him.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : मुझे बोफोर्स के मुद्दे को लेकर अपनी बात रखने का अवसर मिले। लेकिन वहां पर जिस तरह से शोरगुल हुआ और जिस तरह से अशोभनीय और अभद्र व्यवहार कुछ सांसदों का रहा कि कागज तोड़कर आपके ऊपर गोले बनाकर मारना...(व्यवधान) यह सब करना। महोदया, हम लोग भी विपक्ष में रहे। ...(व्यवधान) बड़े से बड़े स्कैम्स 2जी से लेकर कॉमनवैल्थ गेम तक हमने भी नारे लगाए। लेकिन इस तरह का व्यवहार हमारी ओर से कभी सदन में नहीं हुआ।...(व्यवधान) यहां पर भी यदि किसी को लगता है कि मेरे हाथ में मोबाइल होने से किसी को खेद पहुंचता है तो मैं उसके लिए खेद व्यक्त करता हूं। किसी की भावना नहीं, हाउस की प्रोसीडिंग्स वैसे भी लाइव होती हैं। कोई भावना किसी को आहत करने की नहीं है। मैं इस पर खेद व्यक्त करता हूं। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह बात सामने नहीं आयी है। मैं सबको कहना चाहूंगी और अनुराग ठाकुर जी, आपको भी कहना चाहूंगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप सब मेरी बात सुनिए। मैं श्री अनुराग ठाकुर को वार्निंग देना चाहती हूं। I am giving him warning कि अगर उन्होंने कुछ गलती की है तो दोबारा इस प्रकार की गलती न उनसे होनी चाहिए, न ही सदन के किसी अन्य सदस्य से होनी चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग स्टेटमेंट नहीं सुनना चाहेंगे।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: You do not want to listen anything.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12:45 p.m.

12.23 hours

The Lok Sabha then adjourned till Forty Five Minutes past

Twelve of the Clock.

12.45 hours

The Lok Sabha reassembled at Forty Five Minutes past Tweleve of the Clock.

(Hon. Speaker *in the Chair*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप बताइये कि मैं स्टेटमैन्ट कराऊं कि नहीं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : मैं उन्हें सुनूंगा, उनकी भाषा भी अच्छी है और नीयत भी अच्छी है, लेकिन सरकार की नीयत ठीक नहीं है। उनका स्टेटमैंट सुनने के लिए हम लोग तैयार हैं और खासकर देश के हित में जो कुछ भी यहां पर काम होता है या कुछ भी सरकार की ओर से आता है, उसे हम कोऑपरेट करते हैं। लेकिन बहुत बार ऐसा होता है कि एकतरफा बात सुनी जाती है और दूसरी तरफ उसी बात पर हम कुछ सलाह देना चाहते हैं तो उसे बंद किया जाता है। मैं यह कहना चाहूंगा कि हम सुनने के लिए तैयार हैं, उन्हें स्टेटमैन्ट करने दीजिए, उसके बाद हमारे लोग उसके ऊपर भी...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बाद में हम बाकी की बात करेंगे। मैं आपको बाद में मौका दे दूंगी।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : उसके बाद में हमारा जो भी सुझाव है, वह आप सुने।

माननीय अध्यक्ष : वह मैं सुन लूंगी।